प्रार्थना दिवसवार

BY: TEACHER AKASH PANDEY

- सोमवार ▶▷ वह शक्ति हमें दो..
- मंगलवार ▶▷ दया कर दान...
- बुधवार ▶▷ ऐ मालिक तेरे...
- गुरुवार ▶▷ सुबह सवेरे लेकर..
- शुक्रवार ▶▷ हर देश में तू...
- शनिवार ▶▷ इतनी शक्ति हमें..

NIPUN BHARAT

संकलन एवं सम्पादन: शिक्षक आकाश पाण्डेय

प्रार्थना: वह शक्ति हमें दो...

वह शक्ति हमें दो दयानिधे,
कर्त्तव्य मार्ग पर डट जावें।
पर-सेवा पर-उपकार में हम,
जग जीवन सफल बना जावें॥
वह शक्ति हमें दो....

हम दीन-दुखी निबलों-विकलों,
के सेवक बन संताप हरें।
जो हैं अटके, भूले-भटके,
उनको तारें खुद तर जावें॥
वह शक्ति हमें दो....

छल, दंभ-द्वेष, पाखंड-झूठ,
अन्याय से निशिदिन दूर रहें।
जीवन हो शुद्ध सरल अपना,
शुचि प्रेम-सुधा रस बरसावें॥
वह शक्ति हमें दो.....

प्रार्थना

दया कर दान भक्ति का

दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना,
दया करना हमारी आत्मा में, शुद्धता देना।।

हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आँखों में बस जाओ,
अँधेरे दिल में आकर के, परम ज्योति जगा देना।।

बहा दो प्रेम की गंगा, दिलों में प्रेम का सागर
हमें आपस में मिलजुल के, प्रभु रहना सिखा देना।।

हमारा धर्म हो सेवा, हमारा कर्म हो सेवा
सदा ईमान हो सेवा, व सेवक जन बना देना।।

वतन के वास्ते जीना, वतन के वास्ते मरना
वतन पर जाँ फिदा करना, प्रभु हमको सिखा देना।।

दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना,
दया करना हमारी आत्मा में, शुद्धता देना।।

UPBASICARTIST

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम...

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम, ऐसे हो हमारे करम
नेकी पर चले और बदी से टले ताकि हँसते हुये निकले दम

ये अँधेरा घना छा रहा, तेरा इन्सान घबरा रहा
हो रहा बेख़बर, कुछ न आता नज़र, सुख का सूरज छिपा जा रहा
है तेरी रोशनी में वो दम, जो अमावस को कर दे पूनम
नेकी पर चले और बदी से टले ताकि....

बड़ा कमज़ोर है आदमी, अभी लाखों हैं इस में कमी
पर तू जो खड़ा, है दयालु बड़ा, तेरी कृपा से धरती थमी
दिया तूने हमें जब जनम, तू ही झेलेगा हम सब के ग़म
नेकी पर चले और बदी से टले ताकि....

जब ज़ुल्मों का हो सामना, तब तू ही हमें थामना
वो बुराई करें, हम भलाई भरें, नहीं बदले की हो भावना
बढ़ उठे प्यार का हर कदम, और मिटे बैर का ये भरम
नेकी पर चले और बदी से टले ताकि....

सम्पादन: आकाश पाण्डेय (स. अ.)

प्रार्थनाः सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु

सुबह - सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाएं हम

तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं अंजाम प्रभु
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु

गुरुओं का सत्कार कभी न भूलें हम
इतना बनें महान गगन को छू लें हम

तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु

सुबह - सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु

प्रार्थना

हर देश में तू....

हर देश में तू, हर भेष में तू
तेरे नाम अनेक तू एक ही है
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा
सब खेल, मेल में तू ही है॥

सागर से उठा बादल बनके
बादल से फटा जल हो करके
फिर नहर बना नदियाँ गहरी
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

चींटी से भी अणु-परमाणु बना
सब जीव-जगत् का रूप लिया
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है॥

हर देश में तू.......

Editing: Tr. Akash Pandey

प्रार्थनाः इतनी शक्ति हमें

इतनी शक्ति हमें देना दाता
मन का विश्वास कमज़ोर हो ना
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे
भूलकर भी कोई भूल हो ना

दूर अज्ञान के हो अँधेरे
तू हमें ज्ञान की रौशनी दे
हर बुराई से बचके रहें हम
जितनी भी दे भली ज़िन्दगी दे
बैर हो ना किसी का किसी से
भावना मन में बदले की हो ना

हम न सोचें हमें क्या मिला है
हम ये सोचें क्या किया है अर्पण
फूल खुशियों के बाँटें सभी को
सबका जीवन ही बन जाए मधुवन
अपनी करुणा का जल तू बहा के
कर दे पावन हर इक मन का कोना

इतनी शक्ति हमें देना दाता....

संकलन एवं सम्पादनः शिक्षक आकाश पाण्डेय